फाल्गुन शुक्ल पक्ष

14 मार्च से 28 मार्च 2021

ऋतु वसंत
सूर्य
उत्तरायण

तिथि	दिनांक	सूर्योदय	सूर्यास्त
प्रतिपदा	14.03.21	6.36	18.25
अष्टमी	22.03.21	6.26	18.29
पूर्णिमा	28.03.21	6.20	18.33

तिथि	वार	नक्षत्र	दिनांक	चन्द्र संचार	व्रत पर्व त्योहार
प्रतिपदा	रवि	उत्तराभाद्र	14.03.21	मीन	पंचक, मीन संक्रान्ति प्रवेश 18.04 पुण्यकाल दोपहर से, स.सि.यो. 6.30 से 26.18, खरमास आरम्भ
द्वितीया	सोम	रेवती	15.03.21	मेष 28.42	पंचक समाप्त 28.42, चन्द्र दर्शन, फुलेरा दूज, श्रीराम कृष्ण परमहंस जयंती
तृतीया	मंगल	अश्विनी	16.03.21	मेष	अमृत सि. व स.सि.यो. 6.34 से 30.33
चतुर्थी	बुध	अश्विनी	17.03.21	मेष	दिव्यांग दिवस
पंचमी	गुरू	भरणी	18.03.21	वृष 17.20	–
षष्ठी	शुक्र	कृतिका	19.03.21	वृष	रोहिणी व्रत
सप्तमी	शनि	रोहिणी	20.03.21	मिथुन 30.04	अमृत सि. व स.सि. योग 6.29 से 16.44
सप्तमी	रवि	मृगशिरा	21.03.21	मिथुन	अष्टाह्निक प्रारम्भ, रात दिन बराबर, सप्तमी तिथि की वृद्धि
अष्टमी	सोम	आर्द्रा	22.03.21	मिथुन	दुर्गाष्टमी, होलाष्टक आरम्भ, श्रीजी मन्दिर में लड्डुओं की होली बरसाना
नवमी	मंगल	पुनर्वसु	23.03.21	कर्क 16.25	लट्ठमसा होली बरसाना, मीराबाई जयंती
दशमी	बुध	पुष्य	24.03.21	कर्क	लट्ठमसा होली नन्दगांव
एकादशी	गुरू	आश्लेषा	25.03.21	सिंह 22.48	आमलकी एकादशी व्रत (सबका), होली मथुरा, मेला खाटू श्याम जी आरम्भ
द्वादशी त्रयोदशी	शुक्र	मघा	26.03.21	सिंह	गोविन्द द्वादशी, मेला खाटू श्याम जी, प्रदोष व्रत, त्रयोदशी तिथि का क्षय
चतुर्दशी	शनि	पूर्वा फा.	27.03.21	कन्या 25.17	–
पूर्णिमा	रवि	उत्तराफा.	28.03.21	कन्या	सत्यव्रत, होलिका दहन, सायं 6.33 के बाद, अष्टाह्निक पूर्ण (जैन), चैतन्य महाप्रभु जयंती, स.सि.यो. 6.20 से 30.19, अ.सि.यो. 17.35 से 30.19 तक

गण्डमूल नक्षत्र

अश्विनी, आश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल, रेवती : ये 6 नक्षत्र गण्डमूल माने जाते हैं। इनमें जन्म लेने वाले जातक तथा उसके परिवार के कल्याण के लिए जन्म से 27वें या 28वें दिन वही नक्षत्र आने पर मूल शान्ति अवश्य करानी चाहिए।(वि.संवत् 2077 की गण्डमूल नक्षत्रों की सारिणी पृष्ठ 32 पर दी गई है।)

अभुक्त मूल : ज्येष्ठा नक्षत्र की अन्तिम 4 घड़ी और मूल नक्षत्र की प्रारम्भिक 4 घड़ी अभुक्त-मूल कहलाती है। इनमें जन्में जातक की अवश्य ही अतिशीघ्र शान्ति करा लेनी चाहिए।